राकेश मिश्र रवीन्द्र कालिया कथा पुरस्कार से सम्मानित

वर्धा, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय के प्राध्यापक और महत्वपूर्ण समकालीन कथाकार डॉ. राकेश मिश्र को नई दिल्ली में रवीन्द्र कालिया स्मृति कथा पुरस्कार से सम्मानित किया गया। दिल्ली के गाँधी शांति प्रतिष्ठान में आयोजित पुरस्कार समारोह में वरिष्ठ कथाकार ममता कालिया तथा शीर्षरुप आलोचक प्रो. मैनेजर पांडेय ने उन्हें पुरस्कार प्रदान किया। इस पुरस्कार समिति के निर्णायक सर्वश्री अखिलेश (संपादक, तदभव) विजय राय (संपादक, लमही) और प्रो. जीतेन्द्र श्रीवास्तव ने अपनी अनुशंसा में कहा कि राकेश मिश्र की पहचान एक अर्न्तदृष्टि सम्पन्न कथाकार की है, जिन्होंने वस्तु और रुप दोनों स्तरों पर हिन्दी कहानी के परिसर को विस्तृत किया है। वे अपनी कहानियों में सामाजिक सांस्कृतिक सत्ता संरचना की गंभीर पड़ताल करते हैं। वे हमारी चेतना में जड़ें जमाये बैठे हिंसा की न सिर्फ पहचान करते है, बल्कि उसे अपनी कहानियों का प्रस्थान विंदु भी बनाते हैं।

पुरस्कार प्रदान करते हुए कथाकार ममता कालिया ने कहा कि आज जब मूर्तियों को खंडित करने और तस्वीरों को गोली मारने का खतरनाक यथार्थ हमारे सामने है, वैसे में पुरस्कार लेखक की जिम्मेदारी है कि वह स्मृति विहीन समय में समाज की सही नब्ज पर हाल रखकर उसे चेतना संपन्न बनाने की कोशिश करे।

प्रख्यात आलोचक प्रो. मैनेजर पांडेय ने रचना के समाजोन्मुखी होने पर बल देते हुए कहा कि पुरस्कृत लेखक की रचनाएँ हमें आश्वश्त करती है।

पुरस्कार सम्मान ग्रहण करते हुए कथाकार राकेश मिश्र ने कहा कि रवीन्द्र कालिया के नाम पर पुरस्कार प्राप्त करने से वे काफी गौरवान्वित और भाबुक भी है। क्योंकि आज कहानियों में जिस नई कथा पीढ़ी की चर्चा होती है, उसके निर्माण में रवीन्द्र कालिया का अहम योगदान था। पुरस्कार समारोह में देश भर के कई साहित्यकार उपस्थित थे, जिसमें अखिलेश,विजय राय, राजू शर्मा, जीतेन्द्र श्रीवास्तव, सविता सिंह, चरण सिंह पलिक, आर.चेतन क्रांति, अनिरुद्ध उमट, अंजलि काजल, प्रांजलधर, कुमार अनुमप, अनुज आदि प्रमुख थे।